फर्जी फर्मों के पालनहार दो अधिकारी गिरफ्तार

सिरसा (इन्द्रजीत अधिकारी) फर्जी फर्मों के मामले में अब तक कराधान विभाग के भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई का इंतजार किया जा रहा था, सिरसा पुलिस की एसआईटी ने वह इंतजार खत्म कर डाला। एसआईटी ने सोमवार देर सायं फर्जी फर्मों के मामले में आरोपी तत्कालीन ईटीओ अशोक सुखीजा और तत्कालीन डीईटीसी जीसी चौधरी को गिरफ्तार किया है। दोनों अधिकारियों को आज अदालत में पेशकर तीन दिन के रिमांड पर लिया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि स्टेट विजिलेंस व सिरसा पुलिस की एसआईटी द्वारा फर्जी फर्मों के मामले में जोरदार कार्रवाई की गई है। पहली बार फर्जी फर्मों के सरगनाओं में दहशत मची है। इस अवैध कारोबार से जुड़े लोग छिपते फिर रहे हैं। स्टेट विजिलेंस की धरपकड़ से बचने के लिए फर्जी फर्मों का सरगना पदम बांसल बीती 19 नवंबर 2022 से फरार है। जबकि उसके बेटे को विजिलेंस ने गिरफ्तार कर लिया था।

सूत्रों के अनुसार पुलिस अधीक्षक उदय सिंह मीणा के दिशा-निर्देश पर एसआईटी द्वारा फर्जी फर्मों के मामले में गहन पड़ताल की जा रही है। एसआईटी में विषय के विशेषज्ञ शामिल है, जिन्होंने फ्यूचर मेकर कांड, फर्जी आरसी घोटाला और सिरसा में डिपूओं के घोटाले की गहन जांच पड़ताल की थी। आर्थिक मामलों में एक्सपर्ट इस एसआईटी द्वारा सधे हुए कदमों से फर्जी फर्मों के साम्राज्य की ईंटें निकाली जा रही है। सूत्र दावा करते है कि इस कड़ी में कई अन्य की गिरफ्तारियां शेष है।

विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत!

टैक्स चोरी के मामलों में आबकारी एवं कराधान विभाग के अधिकारियों की कथित मिलीभगत रहीं। चूंकि फर्जी फर्मों का बनना इतना आसान नहीं होता। विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत के यह संभव नहीं है। क्योंकि फर्म के रजिस्ट्रेशन में अनेक प्रकार की औपचारिकता पूरी करनी होती है। विभागीय अधिकारियों को मौका मुआयना करना होता है, उनकी तस्दीक के बाद ही फर्म रजिस्टर्ड होती है। जबकि फर्जी फर्मों की पड़ताल में उनका कोई अता-पता तक नहीं चला। इससे भी बड़ी हैरानी की बात यह रही कि जिन फर्मों द्वारा कराधान विभाग से टैक्स का रिफंड हासिल किया। वे भी धरातल पर तलाशने पर भी नहीं मिलीं। जबकि ऐसी फर्मों के संचालकों ने कराधान विभाग में लाखों रुपये के रिफंड के लिए आवेदन किया। विभागीय अधिकारियों ने इसकी तस्दीक की और डीईटीसी स्तर के अधिकारी ने रिफंड दिया। फर्जी फर्म संचालकों के साथ मिलीभगत को लेकर विभाग के कई अधिकारी सस्पेंड भी किए गए और कईयों के खिलाफ आपराधिक मामला भी दर्ज है। लेकिन गिरफ्तारी अब तक नहीं की गई थी।

पदम बांसल और रमेश की तलाश जारी

सिरसा में फर्जी फर्मों के सरगनाओं की तिकड़ी में शुमार पदम बांसल और रमेश कुमार की पुलिस को तलाश है। एमआरपी के महेश बांसल को सिरसा पुलिस की एसआईटी ने बीती 16 मार्च को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पहुंचा दिया था। महेश बांसल अभी जेल में न्यायिक हिरासत में है। जबकि पदम बांसल स्टेट विजिलेंस से छिपता फिर रहा है। विजिलेंस ने उसके बेटे अमित बांसल को 19 नवंबर 2022 को गिरफ्तार किया था। उधर, पदम बांसल व महेश बांसल पर पुलिस के शिकंजे को भांपकर एमआरपी तिकड़ी का रमेश फरार हो गया। हालांकि पुलिस व विजिलेंस उसकी धरपकड़ के लिए अनेक जगहों पर दबिश भी दे चुकी है। पुलिस का प्रयास है कि फर्जी फर्मों के इन सरगनाओं की गिरफ्तारी से ही सिरसा जिला में फर्जी फर्मों का नेक्सस टूट पाएगा।

पक्ष रखने को बुलाए थे आरोपी

एसआईटी (विशेष जांच टीम) द्वारा फर्जी फर्मों के संचालकों को रिफंड देने के मामले में कराधान विभाग के आरोपी अधिकारियों को नोटिस देकर अपना पक्ष रखने के लिए बुलाया गया था। सोमवार सायं पूछताछ के बाद आरोपी ईटीओ अशोक सुखीजा और तत्कालीन डीईटीसी जीसी चौधरी को टीम ने अपनी हिरासत में ले लिया।

दरअसल, सिरसा द्वारा वर्ष 2020 में कराधान विभाग के ईटीओ चाप सिंह की शिकायत पर भादंसं की धारा 406, 419, 420, 456, 467, 468, 471 के तहत मामला दर्ज किया था। शिकायत में मैसर्ज जेसी इंटरप्राइजिज के संचालक मदन लाल पुत्र सुंदरलाल निवासी शहीदांवाली को नामजद किया गया था। शिकायत में आरोप है कि मदन लाल ने विभागीय अधिकारियों से सांठगांठ कर 29 लाख रुपये से अधिक का रिफंड हासिल किया। विभागीय अधिकारियों ने रिफंड देने में भूमिका निभाई।

पूर्व विधायक सुमिता सिंह पहलवान बेटियों के समर्थन में उतरी

शांति मार्च को पुलिस द्वारा जबरदस्ती रोकने की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार डरी हुई है पहलवानों को इंसाफ मांगने के लिए पहले तो जंतर मंतर पर धरने पर बैठना पड़ा उसके बाद एक स्न.ढ्ढ.क्र लिखवाने के लिए उन्हें कोर्ट जाना पड़ा। शांतिपूर्ण तरीके से महिला महापंचायत का आयोजन देश की चुनिंदा खिलाड़ियों ने किया जिन्होंने देश का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया। एक तरफ प्रजातंत्र के मंदिर संसद के नये भवन का उद्घाटन हो रहा था, दूसरी तरफ उससे चंद कदमों की दूरी पर प्रजातांत्रिक तरीके से न्याय की मांग कर रही अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश का नाम रोशन करने वाली खिलाड़ी बेटियों की आवाज़ को कुचला जा रहा था।

उन्होंने सवाल किया कि प्रजातंत्र का ये कौन सा स्वरूप है? क्या देश के गौरव को इसलिये रौंदा जा रहा है क्योंकि आरोपी भाजपा का सांसद है? हरियाणा में भाजपा के खेल मंत्री पर इसी प्रकार के आरोप हैं, लेकिन इतने दिनों से कोई कार्रवाई नहीं हुई। सरकार को हठधर्मिता छोड़कर देश की बेटियों को न्याय दिलाकर राजधर्म का पालन करना चाहिए। सुमिता सिंह ने कहा कि 9 साल में बीजेपी सरकार ने हरियाणा को विकास की पटरी से उतार कर भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा दिया। हरियाणा में हर वर्ग इस सरकार से त्रस्त हो चुका है। मुख्यमंत्री 9 साल तक गांवों में गए नहीं, उनको अपनी तारीफ सुनने की आदत हो गई है। जब कोई भी समस्या लेकर आता है तो उसकी समस्या का समाधान करने की बजाय धक्के मारने और पिटवाने का आदेश देते हैं। जनसंवाद के नाम पर जन अपमान कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि अब चुनावी साल में वोट मांगने के लिए सरकार को गांवों की याद आई है कि हिमाचल और कर्नाटका के चुनाव नतीजों से शायद भाजपा के नेता बौखला गए हैं। इसलिए वे जनता को ही धक्के मारने, पिटवाने की भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। हिमाचल और कर्नाटका तो झांकी है, पूरी पिक्चर हरियाणा में दिखाना बाकी है।

करनाल में आम आदमी पार्टी की नवनियुक्त प्रदेश कार्यकारिणी की पहली बैठक

चंडीगढ़/करनाल। आम आदमी पार्टी की नवनियुक्त प्रदेश कार्यकारिणी की पहली बैठक रविवार को करनाल के सेक्टर-12 के गोल्डन मोमेंट् में हुई। बैठक में राज्यसभा सदस्य एवं आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सुशील गुप्ता और सीनियर वाइस प्रेसिडेंट अनुराग ढांडा पहुंचे। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयुक्त सचिव चौधरी निर्मल सिंह और प्रचार समिति के अध्यक्ष डॉ. अशोक तंवर ने भी बैठक में हिस्सा लिया। इसके अलावा वाइस प्रेसिडेंट बलबीर सिंह सैनी, बंता राम वाल्मीकि, चित्रा सरवारा और आम आदमी पार्टी हरियाणा की अन्य विंग के अध्यक्ष भी मौजूद रहे। बैठक में हरियाणा आम आदमी पार्टी ने राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को हरियाणा आने का न्यौता दिया गया।

इसके अलावा नवनियुक्त प्रदेश कार्यकारिणी ने 2024 में सरकार बनाने को लेकर रणनीति बनाई।

प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सुशील गुप्ता ने कहा कि प्रदेश में बेरोजगारी है और शिक्षा संस्थानों का अभाव है। महिलाओं के प्रति अपराध प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। इन सभी मुद्दों को हल करने और राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को हरियाणा में आमंत्रित करने के लिए बैठक में विचार विमर्श किया गया। ताकि अरविंद केजरीवाल हरियाणा में आएं और कार्यकर्ताओं में नई उर्जा का संचार करें।

हरियाणा में आमूलचूल परिवर्तन हो इस विचारधारा को आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने पहलवानों के मुद्दे पर कहा कि मोदी सरकार डरी हुई सरकार है। आज एक महीने से ऊपर हो गया देश के सर्वश्रेष्ठ पहलवान न्याय मांगने के लिए जंतर मंतर पर बैठे हैं। एक एफआईआर लिखवाने के लिए उन्हें सुप्रीम कोर्ट जाना पड़ा। आज एक शांतिपूर्ण महिला पंचायत का आयोजन देश की उन चुनिंदा खिलाड़ियों ने किया जो विश्व में देश का नाम रोशन कर रहे हैं। मोदी साहब को ऐसी क्या दिक्कत हो गई जो सरकार द्वारा पंजाब, हरियाणा और यूपी बॉर्डर पर महिलाओं को रोका जा रहा है। इससे ये पता लगता है कि इनके मन में महिलाओं के प्रति कितना सम्मान है।

सीनियर वाइस प्रेसिडेंट अनुराग ढांडा ने बताया की 1 जून को प्रदेश कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण होगा। इसमें 1100 पदाधिकारियों की शपथ के साथ प्रदेश में बदलाव की शुरुआत होगी। उन्होंने संसद के उद्घाटन पर कहा लोकतंत्र में राष्ट्रपति देश की प्रथम नागरिक हैं और उनको इस कार्यक्रम में नहीं बुलाना ये एक व्यक्ति की आत्ममुग्धता को दिखाता है। वह कैमरे पर किसी और को नहीं देखना चाहता। उनको लगता है वह कैमरे पर दिखेंगे तो सबसे बड़ी शख्सियत बन जाएंगे। पर वह कानून नहीं बदल सकते, संविधान नहीं बदल सकते। अगर फर्स्ट सिटीजन राष्ट्रपति को ही नहीं बुलाया तो बाकी पार्टियां जाकर क्या करेंगी? कितने शर्म की बात है कि एक जाति की वजह से प्रधानमंत्री ने लोकतंत्र के मंदिर के उद्घाटन पर राष्ट्रपति को नहीं बुलाया। जिस तरह की मोदी सरकार की सोच है उनको लगता है किसी शुभ कार्य में किसी जाति विशेष के लोगों को नहीं बुलाना चाहिए। ये भाजपा की घटिया सोच को दिखाता है। वहीं लोकतंत्र के मंदिर का उद्घाटन के दिन महिला खिलाड़ियों से लोकतांत्रिक अधिकार छीनकर प्रदर्शन करने से रोका जा रहा है। खिलाड़ियों के टेंट उखाड़ दिए यह बहुत ही शर्मनाक है, ये मोदी सरकार का तानाशाही रवैया है। प्रदेश में जनसंवाद कार्यक्रम नाम को प्रोपगेंडा सीएम खट्टर कर रहे हैं और जगह-जगह उनको विरोध का सामना करना पड़ रहा है। खट्टर साहब जिस गांव में रुकते हैं वहीं उनको बंधक बनाया जा रहा है। अब 2024 में प्रदेश में सरकार बदलने जा रही है और आम आदमी पार्टी की सरकार आ रही है।

प्रचार समिति के अध्यक्ष डॉ. अशोक तंवर ने कहा कि आज देश के राजनीतिक हालात सही नहीं हैं। सत्ता पक्ष और विपक्ष देश को लूटने और कमजोर करने का काम कर रहा है। विपक्षी दल कहीं नहीं है और सत्ता पक्ष अहंकारी है। ऐसे में प्रदेश की जनता नए विकल्प के तौर पर आम आदमी पार्टी को पसंद कर रही है। प्रदेश में 2024 में आम आदमी पार्टी की सरकार बनेगी। कांग्रेस आम आदमी पार्टी के घोषणापत्र की कॉपी कर रही है। लेकिन जनता ओरिजनल को पसंद करती है। क्योंकि आम आदमी पार्टी ने जो कहा वो करके दिखाया है। आम आदमी पार्टी 2024 में कांग्रेस और भाजपा का सफाया करेगी।

इस मौके पर यूथ विंग के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मनीष यादव, महिला विंग के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रजनीश जैन, छात्र संगठन सीवाईएसएस के प्रदेश अध्यक्ष आयुष खटकड़, एससी सेल के प्रदेश अध्यक्ष नरेश बागड़ी, ओबीसी सेल के प्रदेश अध्यक्ष धीरज यादव, खेल प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष कविता दलाल, लीगल सेल के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट मोक्ष पसरीजा, प्रदेश कोषाध्यक्ष सुनील बिंदल, व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश गर्ग, डॉक्टर विंग की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सारिका वर्मा और बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष गुरुचरण सिंह, जिला अध्यक्ष बलविंदर सिंह के साथ स्टेट सेक्रेटरी और ज्वाइंट सेक्रेटरी भी मौजूद रहे।

मोदी सरकार का महिला विरोधी चेहरा उजागर कर दिया दिल्ली पुलिस के दमन चक्र ने : संधु

जिन बेटियों ने देश का मान बढ़ाया उन पर सरकार ने लाठियां चलाईं

करनाल। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश सचिव नाहर सिंह संधु ने कहा है कि दिल्ली के जंतर मंतर पर शांति पूर्वक बैठी महिला खिलाड़ियों पर भाजपा की एनडीए सरकार ने जिस तरह से दमन चक्र चलाया उससे भाजपा का बेटी विरोधी चेहरा उजागर हो गया है। जिन बेटियों ने देश का परचम ओलंपिक, एशियाड के साथ अन्य इंटरनेशनल स्तर पर फहराया उन बेटियों पर दिल्ली पुलिस ने लाठियां चलाईं जिससे भाजपा का बर्बर चेहरा उजागर हुआ है।

उन्होंने कहा कि महिलाओं की अस्मत लूटने वाले भाजपा के लाडले को बचाने के लिए जिस तरह से भाजपा दमन का सहारा ले रही है सरकर के बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ बेटी खिलाओ की पोल खोल कर रख दी हैं।

उन्होंने बयान जारी किया कि भाजपा के राज में महिलाओं के अपमान की घटनाएं बढ़ रही हैं। करनाल के इंद्री में गृह मंत्री अनिल विज की मौजूदगी में महर्षि कश्यप जयंती के अवसर पर महिलाओं के साथ पुलिस ने गलत व्यवहार किया। भाजपा की सरकार मानवता को भूल चुकी है, सत्ता का अहंकार उनके सिर चढ़ कर बोल रहा है।

प्रदेश कांग्रेस के महासचिव नाहर सिंह संधु ने कहा कि आने वाले चुनावों में मतदाता इस गूगी-बहरी, मानवता व महिला विरोधी सरकार को सबक सिखाएंगे। यह देश आने वाले समय में अहंकारी शासकों को सबक सिखाएगा।